

B.A./B.Sc. II Year

Paper – I Macro Economics (समष्टि अर्थशास्त्र)

Max. Marks: 40

Unit -1

Concept of Macro Economics, Interrelation between Micro and Macro Economics, Macro variables- Stock and Flow, Circular flow of Income, Concept of National Income, Gross National Product (GNP) and Gross Domestic Product (GDP), National Income Accounting, Interrelations between National Income and Economic Welfare.

समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा समष्टि और व्यक्ति अर्थशास्त्र के मध्य अंतर्संबंध | समष्टि चर, स्टॉक और प्रवाह आय का चक्रीय प्रवाह, राष्ट्रीय आय की अवधारणा सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की अवधारणा राष्ट्रीय आय लेखांकन राष्ट्रीय आय और आर्थिक कल्याण के मध्य अंतर्संबंध |

Unit -2

Classical Theory of Employment, Keynesian Theory of Employment- Aggregate Demand Function and Aggregate Supply Function, Effective Demand, consumption and saving function, Principles of Multiplier and Accelerator.

रोज़गार का प्रतिष्ठित सिद्धांत, कीन्स का रोज़गार सिद्धांत. -समग्र मांग फलन और समग्र पूर्ति फलन प्रभावपूर्ण मांग उपभोग फलन एवं बचत फलन और गुणक और त्वरक के सिद्धांत|

Unit -3

Investment Function and Marginal Efficiency of Capital (MEC), Factors Affecting Investment Function, Keynesian Theory of Liquidity Preference, Liquidity Trap,

निवेश फलन एवं पूँजी की सीमांत क्षमता (MEC), निवेश फलन को प्रभावित करने वाले तत्व कीन्स का तरलता पसंदगी सिद्धांत, तरलता जाल|

Unit -4

Money- Meaning and functions, Stock of money and its measures- M_1 , M_2 , M_3 , and M_4 , Quantity Theory of Money- Cash Transaction and Cash Balance Approach, Inflation, Deflation and Depression- Definition, Causes, effects on various segments of economy, Parallel Economy of Black Money.

मुद्रा . अर्थ और कार्य ,मुद्रा का स्टॉक और उसके मापक M_1, M_2, M_3 एवं M_4 , मुद्रा का परिमाण सिद्धांत.- नकद लेनदेन सिद्धांत और नकद शेष सिद्धांत मुद्रा स्फीति, मुद्रा संकुचन और मंदी – परिभाषा, कारण और अर्थव्यवस्था के विभिन्न वर्गों पर प्रभाव काले धन की समान्तर अर्थव्यवस्था |

Unit -5

Bank- Meaning and types, functions of Commercial Banks. Process of Credit Creation, Central Bank and its Functions with special Reference to Reserve Bank of India , Credit Control- Quantitative and Qualitative methods, Concept of Monetary Policy, Objectives and limitations of Monetary Policy, MUDRA and Jan Dhan Yojana, ***Priority Sector Lending in India (PSL)***.

बैंक.अर्थ और प्रकार व्यापारिक बैंको के कार्य साख निर्माण की प्रक्रिया,केन्द्रीय बैंक और उसके कार्य (भारतीय रिज़र्व बैंक के विशेष सन्दर्भ में) साख नियंत्रण. परिमाणात्मक और गुणात्मक विधियां, मौद्रिक नीति की अवधारणा, मौद्रिक नीति के उद्देश्य और सीमाए, मुद्रा MUDRA ,एवं जन धन योजना, ***भारत में प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग(PSL) /***

B.A./B.Sc. II Year

Paper – II Public Finance and International Economics

(सार्वजनिक वित्त एवं अन्तराष्ट्रीय अर्थशास्त्र)

Max. Marks: 40

Unit -1

Public Finance- Meaning, Nature and Scope, Role of Public finance in Modern Economy, Principle of Maximum Social Advantage, Sources of Revenue- Tax Revenue and Non Tax Revenue, kinds of Taxes, General Introduction of Goods and Services Tax (GST), Taxable Capacity in India.

सार्वजनिक वित्त – अर्थ , प्रकृति और क्षेत्र, आधुनिक अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक वित्त की भूमिका, अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत, आगम के स्रोत/कर आगम और गैर कर आगम, करों के प्रकार/वस्तु एवं सेवा कर (GST), का एक समान्य परिचय भारत में करदान क्षमता ।

Unit -2

Budget- Definition and Preparation, *Various Concepts of Budgetary Deficit*, Fiscal Deficit, Fiscal Policy, Deficit Finance, *Fiscal Responsibility and Budget Management Act-2003*, Central-State Financial Relation, Recommendation of Latest Finance Commission.

बजट- परिभाषा और निर्माण, *बजटीय घाटे की विभिन्न अवधारणाएँ*, राजकोषीय घाटा, राजकोषीय नीति, हीनार्थ प्रबंधन, *राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम-2003 (FRBM)*, केंद्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध, नवीनतम वित्त आयोग की अनुशंशाएँ ।

Unit -3

Meaning and importance of International Economics, Intra and International Trade, Importance of International Trade in Economic Development, Theories of International Trade- Absolute and Comparative Advantage, Factor Endowment- Heckscher- Ohlin Theory.

अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र का अर्थ और महत्व, अंतः और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक विकास में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का महत्व, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत- निरपेक्ष और तुलनात्मक लाभ, साधन प्रचुरता- हेकशेचर ओह्लिन सिद्धांत ।

Unit -4

Terms of Trade- Concepts and Types, Tariff and Non-Tariff Barriers in International Trade, World Trade Organization (WTO)- Objectives and its functions, Balance of Trade- Concept and Types, Compositions and structure of Balance of Trade and its relationship with Balance of Payment, Methods of Correction in Balance of Payment.

व्यापार की शर्ते – संकल्पना और प्रकार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रशुल्क और गैर प्रशुल्क बाधाये, विश्व व्यापार संगठन (WTO)- उद्देश्य और कार्य, भुगतान शेष - संकल्पना और प्रकार, व्यापार शेष की संरचना और घटक तथा भुगतान सन्तुलन के साथ सम्बन्ध, भुगतान सन्तुलन में सुधार के तरीके ।

Unit -5

Trends and Directions of India's Foreign Trade, Exchange Rate, Theories of Exchange Rate- Mint Par Parity Theory, Purchasing Power Parity Theory, Concept of Appreciation and Depreciation of Currency and its effects on Foreign Trade Foreign Trade Policy and Developing Countries.

भारतीय विदेशी व्यापार की प्रवृत्ति एवं दिशा, विनिमय दर, विनिमय दर के सिद्धांत – टकसाली दर समता सिद्धांत, क्रयशक्ति समता सिद्धांत, मुद्रा का अवमूल्यन एवं अधिमूल्यन एवं विदेशी व्यापार पर प्रभाव, विदेशी व्यापार निति और विकासशील देश ।